

Shifting of ONGC Regional Office from Jawalamukhi to Hoshiarpur

*486. SHRI MAHI LAL : Will the Minister of PETROLEUM AND CHEMICALS AND FERTILIZERS be pleased to state :

(a) whether a decision was taken by Chairman, ONGC to shift its regional office from Jawalamukhi to Hoshiarpur and also retain some staff at Jawalamukhi keeping in view the difficulties of the staff ;

(b) whether it is also a fact that the matter is under consideration with the Minister since long;

(c) the reasons for not clearing the proposal so far ; and

(d) the time likely to be taken in according approval to the proposal in view of the difficulties of most of the employees ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PETROLEUM AND CHEMICAL AND FERTILIZERS (SHRI JANESHWAR MISHRA) : (a) to (d) . The final recommendations of the Chairman, Oil and Natural Gas Commission, regarding shifting of the headquarters of the Jawalamukhi Project to Hoshiarpur have been received on 23-3-1978 and a decision in the matter will be taken soon.

Proposals for Electoral Reforms

*487. SHRI G. M. BANATWALLA :
SHRI MUKHTIAR SINGH MALIK :

Will the Minister of LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS be pleased to state :

(a) whether Election Commission has recently submitted any proposal to the Government in regard to the reforms in the electoral system in the country ;

(b) what are the reforms suggested in the electoral system ; and

(c) what is Government's reaction thereto ?

THE MINISTER OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS (SHRI SHANTI BHUSHAN) : (a) Yes, Sir,

(b) A Statement containing the details of the proposals is laid on the Table of the House. [Placed in library. See No. LT 1938/78]

(c) The proposals are being examined.

हरियाणा में नई रेल लाइनें

*488. श्री कंवर लाल गुप्त : क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) गत तीन वर्षों के दौरान हरियाणा में कितनी नई रेल लाइनें बिछाई गई हैं; और उनका व्यौरा क्या है ;

(ख) चालू वर्ष के दौरान कितनी नई रेल लाइनें बिछाने का प्रस्ताव है और उन्हें किन स्थानों पर बिछाने का प्रस्ताव है; और

(ग) हरियाणा में और अधिक नई रेल लाइनें बिछाने की और भागे क्या योजनाएँ हैं ?

रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री शिव नारायण) : (क) से (ग). 39.71 किलोमीटर लम्बी उखाड़ी गई गोहाना-पानीपत बड़ी लाइन को फिर से बिछाने का काम पूरा हो चुका है जिसकी अनुमानित लागत 2.27 करोड़ रुपये है। यह लाइन 8-4-77 को यातायात के लिए खोल दी गई थी। 49.30 किलोमीटर लम्बी रोहतक-भिवानी बड़ी लाइन रेल सम्पर्क का निर्माण कार्य सुचारु रूप से चल रहा है और आशा है कि यह काम मार्च, 1980 तक पूरा हो जायेगा। इस लाइन की अनुमानित लागत 6.09 करोड़ रुपये है। संसाधनों की अधिक तंगी और पहले किये हुए भारी बायदों के कारण, इस समय हरियाणा में किसी दूसरी नई लाइन के निर्माण का काम हाथ में लेना संभव नहीं है।

Advance Increments

*489. SHRI RAM PRAKASH TRIPATHI : Will the Minister of RAILWAYS be pleased to lay a statement showing :

(a) the total amount which the Railway Administration bears annually on account of advance increments ;

(b) whether it is a fact that in some cases the advance increments were later converted into additional increments ; and

(c) if so, steps taken by the Administration to adjust the increments granted to loyal workers ?

THE MINISTER OF RAILWAYS
(PROF. MADHU DANDAVATE) :

(a) According to information collected in 1976, the actual expenditure came to Rs. 5.3 crores per annum.

(b) No, Sir. In fact, even when advance increment was allowed to railwaymen from 1-6-74 it was clarified that the subsequent increments in the scale in which Advance increment was granted would accrue to those employees on the normal date, and not on the anniversary of the grant of advance increment.

(c) Does not arise.

कोटा-बान्दा शटल गाड़ी को आगे तक बढ़ाने पर व्यव

4438. श्री जनुर्मुख : क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) कोटा-बान्दा शटल गाड़ी को छत्रबुड़ा तक आगे बढ़ाने पर होने वाले व्यय का कोई अनुमान लगाया गया है ; और

(ख) यदि हां, तो सरकार की उस पर क्या प्रतिक्रिया है ?

रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री शिव कारायण) : (क) और (ख). इस समय कोटा-बान्दा शटल नामक कोई गाड़ी नहीं है। संभवतः आगम्य 135 डाउन / 136 अप कोटा-बान्दा शटल का चालन क्षेत्र छागरा गुगोर तक बढ़ाने से है। फिलहाल इस गाड़ी को छाबरा गुगोर से/तक चलाने का न तो यात्रायात की दृष्टि से प्रौचित्य है और न परिचालनिक दृष्टि से यह व्यवहारिक है क्योंकि छाबरा-गुगोर स्टेशन पर टर्मिनल सुविधाओं का अभाव है।

लखनऊ आलम बाग कैरिज के अधिकार

4439. श्री आर० एल० कुरीस : क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) लखनऊ आलम बाग कैरिज एण्ड वेगन वर्कशॉप के कुछ अधिकारियों ने कर्मचारी संघ के नेता द्वारा की जा रही अनियमितताओं के विरुद्ध मंत्री महोदय तथा प्रधान मंत्री को गुप्त रूप से शिकायत की थी और उसी के आधारे पर मंत्री महोदय ने हम मामले की जांच के आदेश जारी किये थे और क्या इन आदेशों के जारी होने के काफी समय पहले ही उनके मंत्रालय के कुछ अधिकारियों ने उक्त संघ के नेता को टेलीफोन द्वारा सावधान कर दिया और इस मामले में संसद् सदस्यों पर दबाव डाला ;

(ख) यदि हां, तो इस सरकारी गोपनीयता को प्रकट करने के लिए उत्तरदायी अधिकारी का नाम क्या है तथा उसे क्या दण्ड दिया जा रहा है ; और

(ग) यदि नहीं, तो उनके मंत्रालय के अधिकारियों से अन्य उस व्यक्ति का क्या नाम है, जिसने इस मामले के बारे में कर्मचारी संघ के नेता (श्री हरीचन्द पाठे) को सूचित किया था ?

रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री शिव कारायण) : (क) सवारी तथा माल डिब्बा कारखाने से कोई भी शिकायत इस मंत्रालय में प्राप्त नहीं हुई है। फिर भी, आवश्यक संसद् सदस्य से कारखाने के यूनियन लीडर के विरुद्ध शिकायत मिली है। इस मंत्रालय में ऐसा कोई प्रमाण उपलब्ध नहीं है जिससे यह बता चले कि इस मंत्रालय के किसी कर्मचारी ने यूनियन लीडर को इस शिकायत के बारे में जागरूक किया हो।

(ख) प्रश्न नहीं उठता।